Strictly Confidential: (For Internal and Restricted use only)
Senior School Certificate Examination - 2020

HMJ/1

Marking Scheme – ECONOMICS
SUBJECT CODE: 030 PAPER CODE –58/3/2

General Instructions: -

1. You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully.**Evaluation is a 10-12 days mission for all of us. Hence, it is necessary that you put in your best efforts in this process.**

2. Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one's own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and marks be awarded to them.**

3. The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.

4. Evaluators will mark(√) wherever answer is correct. For wrong answer 'X"be marked. Evaluators will not put right kind of mark while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. **This is most common mistake which evaluators are committing.**

5. If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totaled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.

6. If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and encircled. This may also be followed strictly.

7. If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out.

8. No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.

9. A full scale of marks 0-80 has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.

10. Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e. 8 hours every day and evaluate 20 answer books per day in main subjects and 25 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines).

11. Ensure that you do not make the following common types of errors committed by the Examiner in the past:-

- Leaving answer or part thereof unassessed in an answer book.
- Giving more marks for an answer than assigned to it.
- Wrong totaling of marks awarded on a reply.
- Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page.
- Wrong question wise totaling on the title page.
  Wrong totaling of marks of the two columns on the title page.
- Wrong grand total.
- Marks in words and figures not tallying.
- Wrong transfer of marks from the answer book to online award list.
- Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.)
- Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.

12. While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0)Marks.

13. Any unassessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.

14. The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the Guidelines for spot Evaluation before starting the actual evaluation.

15. Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totalled and written in figures and words.

    The Board permits candidates to obtain photocopy of the Answer Book on request in an RTI application and also separately as a part of the re-evaluation process on payment of the processing charges.

क्र. सं.	अपेक्षिक उत्तर खण्ड क समष्टि अर्थशास्त्र)	अंक
1	**प्रश्न:** किसी अर्थव्यवस्था में अवस्फीति अंतराल माँग में ______(अधिकता/अल्पता) दर्शाता है। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए) **उत्तर** अल्पता	**1**
2	**प्रश्न:** निम्नलिखित में से कौन-सा एक गैर-कर राजस्व प्राप्ति नहीं है ? (सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) वस्तु और सेवा कर (B) बाहरी अनुदान (C) लाभांश व लाभ (D) विनिवेश **उत्तर:** (A) वस्तु और सेवा कर	**1**
3	**प्रश्न:** यदि किसी अर्थव्यवस्था की घरेलू मुद्रा विनिमय दर में वृद्धि होती है, तो उस अर्थव्यवस्था के निर्यात के मूल्य में ______ होने की संभावना है । (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए) **उत्तर:** गिरावट/ कमी	1
4	**प्रश्न:** उल्लेख कीजिए कि, निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य: "सरकारी बजट एक वार्षिक विवरण है जो पिछले वित्तीय वर्ष के लिए सरकार की वास्तविक प्राप्तियों तथा वास्तविक भुगतानों को दर्शाता है।" **उत्तर:** असत्य	**1**
5	**प्रश्न:** मुद्रा आपूर्ति के घटकों के नाम लिखिए । **उत्तर:** मुद्रा पूर्ति के दो घटक हैं- (i) जनता के पास करेंसी। (ii) व्यवसायिक बैंकों के पास मांग जमाए।	½ + ½
6	**प्रश्न:** उल्लेख कीजिए कि, निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य : "भुगतान संतुलन (BOP) में आधिकारिक आरक्षित लेनदेनों को समंजन मदों के रूप में लिया जाता है ।" **उत्तर:** सत्य	1
7	**प्रश्न**: अनैच्छिक बेरोज़गारी का अर्थ लिखिए । **उत्तर:** अनैच्छिक बेरोज़गारी एक ऐसी स्थिति को दर्शाता है जिसमें ऐसे सभी लोग जो वर्तमान मजदूरी दरों पर काम करने के इच्छुक हैं तथा योग्य हैं, को रोज़गार प्राप्त नही होता है। **(अन्य किसी प्रामाणिक परिभाषा के लिए भी अंक दिए जाए)** **अथवा** **प्रश्न:** औसत बचत प्रवृत्ति (APS) _____तथा _____ का अनुपात होता है। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए) **उत्तर:** कुल बचत तथा कुल आय।	1 ½ + ½
8	**प्रश्न:** भुगतान संतुलन खाते के स्वायत्त मदों को परिभाषित कीजिए । **उत्तर:** स्वायत्त मदों से अभिप्राय भुगतान संतुलन खाते के ऐसे लेन-देन से है जो लाभ के उद्देश्य से किये जाते हैं।	1
9	**प्रश्न:** प्राथमिक घाटा शून्य हो सकता है, यदि _____ । (सही विकल्प द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए) (A) राजकोषीय घाटा = ब्याज भुगतान (B) राजकोषीय घाटा < ब्याज भुगतान (C) राजकोषीय घाटा > ब्याज भुगतान (D) राजस्व घाटा < राजकोषीय घाटा **उत्तर:** (A) राजकोषीय घाटा = ब्याज भुगतान	1
10	**प्रश्न:** वैधानिक तरलता अनुपात के अंतर्गत वाणिज्यिक बैंकों को तरल परिसम्पत्तियों के रूप में _____ का एक अंश रखना आवश्यक होता है। (सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) कुल जमा (B) आवधिक जमा (C) कुल माँग व आवधिक जमा (D) चालू जमा **उत्तर:** (A) कुल जमा या(C) कुल माँग व आवधिक जमा **(दोनों उत्तर सही हैं, अतःदोनों में से किसी भी उत्तर पर**	1

अंक दिए जायें)

11

प्रश्न: 'चालू खाता घाटे' तथा 'व्यापार घाटे' में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर: चालू खाता घाटे का अर्थ दृश्य मदों, अदृश्य मदों तथा एक पक्षीय हस्तांतरण के निर्यात से होने वाली विदेशी विनिमय प्राप्तियों पर ,दृश्य मदों, अदृश्य मदों तथा एक पक्षीय हस्तांतरण के लिए किए गए आयात के कारण विदेशी विनिमय भुगतानो की अधिकता से हैं। जबकि; 1 ½

व्यापार घाटे का अर्थ है दृश्य मदों के निर्यात से होने वाली विदेशी विनिमय प्राप्तियों पर दृश्य मदों के आयात के लिए किए गए विदेशी विनिमय भुगतानो की अधिकता से हैं। 1 ½

अथवा

प्रश्न: "लेखांकन अर्थ में, भुगतान संतुलन (BOP) सदैव संतुलित रहता है ।" मान्य तर्कों द्वारा दिए गए कथन का समर्थन अथवा खंडन कीजिए ।

उत्तर: दिए गए कथन का समर्थन किया जाता है। भुगतान संतुलन खाता द्विप्रविष्टि बहीखाता प्रणाली पर आधारित है। स्वायत्त लेन देन के कारण उत्पन्न कोई भी घाटा/अतिरेक मौद्रिक प्राधिकारी द्वारा समायोजन सौदों में तदनुसार अतिरेक/ घाटे द्वारा ठीक किये जाते हैं। 3

12

प्रश्न: निम्नलिखित आँकड़ों से (a) राजस्व घाटे व (b) राजकोषीय घाटे की गणना कीजिये:

	विवरण	राशि (₹ करोड़ में)
(i)	कर राजस्व	1,200
(ii)	राजस्व व्यय	3,700
(iii)	गैर-कर राजस्व	2,000
(iv)	ऋणों की वसूली	145
(v)	पूँजीगत व्यय	500
(vi)	विनिवेश	120
(vii)	ब्याज भुगतान	1,070

उत्तर: - (a) राजस्व घाटा = [(ii) – {(i) + (iii)}] ½

= 3700-(1200+2000) ½

= ₹500 करोड़ ½

(b) राजकोषीय घाटे = [{(ii)+(v)}-{(iii)+(i)+(iv)+(vi)}] ½

=[(3700+500) – (2000+1200+145+120)] ½

= [4200-3465] =**₹** 735 करोड़ ½

13

प्रश्न: "भारतीय रिज़र्व बैंक ने अर्थव्यवस्था में गिरती हुई माँग को बढ़ावा देने के लिए हाल ही में बैंक दर में कमी की है ।" केन्द्रीय बैंक द्वारा उठाए गए कदमों के औचित्य को विस्तार से समझाइए।

उत्तर: बैंक दर, ब्याज की वह दर है जिस पर केंद्रीय बैंक, व्यवसायिक बैंकों को उनकी दीर्घकालीन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ऋण देता है। बैंक दर में कमी, व्यवसायिक बैंकों को उनकी ब्याज दरों में कमी के लिए प्रेरित करता है। यह सामान्य जनता को अधिक उधार लेने के लिए उत्साहित करता है। जो उनकी प्रयोज्य आय को बढ़ाता है। यह अर्थव्यवस्था में समग्र मांग को 4

को बढ़ावा देता है। **(पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए)**

14

प्रश्न: दिए गए चित्र में, "KT" अंतराल क्या प्रदर्शित करता है ? इस परिस्थिति के समाधान के लिए किन्हीं दो राजकोषीय उपायों का उल्लेख व चर्चा कीजिए ।

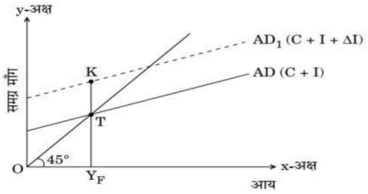

उत्तर "KT" स्फीतिक अंतराल को प्रदर्शित करता है। 1

स्फीति अंतराल को नियंत्रण करने के लिए दो राजकोषीय उपाय है -

i. करों में वृद्धि - स्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार करों में वृद्धि करती है। यह जनता की क्रय शक्ति को कम करती है, जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग कम हो सकती है जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर लाती है। 1 ½

ii. सरकारी व्यय में कमी - स्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार अपने गैरविकासात्मक खर्चों में कमी करती है। यह जनता की क्रय शक्ति में कमी लाती है। जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग की कमी होती है, जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर लाती है। 1 ½

दृष्टि *बाधित छात्रों* के लिए:

प्रश्न अवस्फीति अंतराल का क्या अर्थ है ? अवस्फीति अंतराल की परिस्थिति के समाधान के लिए किन्हीं दो राजकोषीय उपायों का उल्लेख व चर्चा कीजिए ।

उत्तर अवस्फीतिक अंतराल उस अंतराल को दर्शाता है जिसमें पूर्ण रोजगार के स्तर पर समग्र मांग, समग्र पूर्ति से कम होती है ।ऐसी स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक दो राजकोषीय उपाय निम्न है- 1

i. करों में कमी - अवस्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार करो में कमी करती है। यह जनता की क्रय शक्ति में वृद्धि करता है जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग बढ़ती है जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर करने में सहायक है। 1 ½

ii. सरकारी खर्च में वृद्धि - अवस्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार अपने खर्च में वृद्धि करती है। यह जनता की क्रय शक्ति में वृद्धि करता है जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग बढ़ती है जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर करने में सहायक है। 1 ½

15

प्रश्न: निम्नलिखित आँकड़ों से बाज़ार कीमत पर सकल मूल्य वृद्धि (GVA_{MP}) की गणना कीजिए :

	विवरण	राशि (₹ लाख में)
(i)	मूल्यह्रास	20
(ii)	घरेलू बिक्री	200
(iii)	स्टॉक में परिवर्तन	(-) 10
(iv)	निर्यात	10
(v)	एकल उपयोग उत्पादक वस्तुएँ	120
(vi)	निवल अप्रत्यक्ष कर	20

उत्तर- GVA_{MP} = [(ii)+(iii)+(iv)]-(v) 2

= [200+(-)10+10]-120 1

=200-120 ½

= ₹ 80 लाख ½

अथवा

प्रश्न: किसी वर्ष में एक अर्थव्यवस्था में मौद्रिक सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) का मूल्य ₹ 2,500 करोड़ था । उसी वर्ष के दौरान, देश के सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) का मूल्य किसी आधार वर्ष की कीमत पर ₹ 3,000 करोड़ था । प्रतिशत के रूप में वर्ष के सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) अवस्फीतिक के मूल्य की गणना कीजिए । क्या आधार वर्ष और उल्लिखित वर्ष के बीच कीमत स्तर में वृद्धि हुई है ?

उत्तर: दिया गया है - मौद्रिक (GNP) = ₹ 2,500 करोड़ और वास्तविक GNP = ₹3000 करोड़,

	(GNP) अवस्फीतिक = $\frac{\text{मौद्रिक सकल राष्ट्रीय उत्पादवास्तविक}}{\text{सकल राष्ट्रीय उत्पाद}}$x100 = $\frac{2500}{3000}$ x 100 = 83.33 % नही, उल्लिखित वर्ष में आधार वर्ष की तुलना में कीमत स्तर में 16.67% की कमी हुई है।	2 ½ ½ 1
16	**प्रश्न:** नीचे दिए गए आँकड़ों पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (i) निवेश का नियोजित स्तर = ₹ 200 करोड़ (ii) C = 100 + 0-8Y (a) आय के संतुलन स्तर का निर्धारण कीजिए। (b) आय के संतुलन स्तर पर बचत व उपभोग व्यय की गणना कीजिए । **उत्तर: (a)** Y= C + I Y= (100+ 0. 8Y) +200 = 300+0.8 Y Y-0.8 Y= 300 0.2 Y =300 Y= 300/0.2 आय का संतुलन स्तर = ₹1500 करोड़ **(b)** C = $\bar{C}$ + 0.8 = 100+ 0.8(1500) (दिया है Y = 150) = 100 + 1200 उपभोग= ₹1300 करोड़ बचत = आय (Y)- उपभोग (C) = 1500 - 1300 = ₹ 200 करोड़	½ ½ ½ ½ ½ ½ ½ ½ ½ ½ ½ ½
17	**प्रश्न** 17. राष्ट्रीय आय के आकलन में आने वाली, दोहरी गणना की समस्या को परिभाषित कीजिए । दोहरी गणना की समस्या के निवारण के दो दृष्टिकोणों की चर्चा कीजिए । उत्तर वस्तुओं के मूल्य की एक से अधिक बार गणना के कारण राष्ट्रीय आय के आकलन में दोहरी गणना की समस्या उत्पन्न होती है। यह अर्थव्यवस्था में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के अधिमूल्यन से सम्बंधित है। दोहरी गणना की समस्या के निवारण के दो दृष्टिकोण निम्नलिखित हैं: (i) अंतिम उत्पाद विधि - इस विधि के अनुसार राष्ट्रीय आय का आकलन करते समय केवल अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य को शामिल करना चाहिए। (ii) मूल्य वृद्धि विधि - इस विधि के अनुसार प्रत्येक उत्पादक इकाई द्वारा की गई केवल मूल्य वृद्धि के योग को सम्मिलित करना चाहिए। इसका अर्थ है कि मध्यवर्ती उपभोग के मूल्य शामिल नही किया जाना चाहिए।	2 2 2

	अथवा **प्रश्न:** निम्नलिखित को परिभाषित कीजिए : (a) पूँजीगत वस्तुएँ (b) सकल घरेलू उत्पाद (c) प्रवाह चर (d) संपत्ति तथा उद्यमशीलता से प्राप्त आय **उत्तर:** (a) पूँजीगत वस्तुएँ वे अंतिम वस्तुएं हैं जो दूसरी वस्तुओं और सेवाओं के उत्पाद में सहयोग करती है। उदाहरण मशीनरी b) सकल घरेलू उत्पाद, किसी देश की घरेलू सीमा के अंदर एक वर्ष की अवधि में उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के कुल बाजार मूल्य का योग है। c) प्रवाह चर वह चर है जिन्हें समय की एक अवधि में मापा जाता है। उदाहरण राष्ट्रीय आय। d) संपत्ति तथा उद्यमशीलता से आय वह आय हैं जो भौतिक / आर्थिक / बौद्धिक संपत्ति के स्वामित्व से उत्पन्न होती है तथा वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के योगदान में उद्यमी को पारितोषिक स्वरूप लाभ,रायल्टी, किराया, ब्याज आदि के रूप में प्राप्त होती है।	1 ½ 1 ½ 1 ½ 1 ½
	खण्ड ख (भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास)	
18	**प्रश्न:** किसी व्यक्ति के लिए अधिकतम भूमि-धारण (अधिपत्य) की सीमा का निर्धारण_______कहलाता है। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए) **उत्तर:** भूमि की अधिकतम सीमा निर्धारण।	**1**
19	**प्रश्न:** स्वतंत्र भारत में पहला औद्योगिक नीति प्रस्ताव वर्ष ------------ में लागू किया गया था। (सही विकल्प का चयन कीजिए) A) 1948 (B) 1950 (C) 1954 (D)1956 **उत्तर:** (A) 1948	1
20	**प्रश्न:** केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) ने _____श्रेणियों के बड़े तथा मध्यम उद्योगों की पहचान प्रदूषित करने वाले उद्योगों के रूप में की है। (सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) 15 (B) 17 (C) 19 (D)13 **उत्तर:** (B) 17	**1**
21	**प्रश्न:** 8 नवंबर, 2016 को पुरानी महात्मा गाँधी श्रेणी के ____और___करेंसी नोटों को कानूनी रूप में अवैध घोषित कर दिया गया था। (A) ₹50 और ₹100 (B) ₹500 और ₹1000 (C) ₹500 और ₹2000 (D) ₹500 और ₹200 **उत्तर:** (B) ₹500 and ₹1000	**1**
22	**प्रश्न:** 'पशुधन' का अर्थ लिखिए। **उत्तर:** वे पशु जिन्हें श्रम और सामग्री उत्पादन के लिए पालतू (कृषि संबंधी परिवेश में) बनाकर पाला जाता है,पशुधन कहलाता है। जैसे मवेशी, बकरियाँ आदि। **(अन्य दूसरे उचित अर्थ को भी अंकित किया जाय)**	1
23	**प्रश्न:** 'मानव पूँजी निर्माण' को परिभाषित कीजिए। **उत्तर:** मानव पूंजी निर्माण एक समय-अवधि में देश में कुशल और सक्षम लोगों को बढ़ाने की प्रक्रिया है। **(अन्य कोई उचित परिभाषा)** **अथवा** *कॉलम II* में दिए गए संबंधित वर्षों के साथ मिलान करके कॉलम I में दिए गए विकल्पों के सही अनुक्रम की पहचान कीजिए: *कॉलम I* — कॉलम II a. जन धन योजना — (i) 2005 b. प्रभावी उपभोग माँग और न्यूनतम आवश्यकता अनुमानन कार्य बल — (ii) 1962 c. महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम — (iii) 1979 d. निर्धनता के लिए योजना आयोग द्वारा गठित अध्ययन दल — (iv) 2014 निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए : (A) a-(iv), b-(i), c-(ii), d-(iii) (B) a-(iv), b-(ii), c-(i), d-(iii) (C) a-(iv), b-(iii), c-(i), d-(ii) (D) a-(iv), b-(ii), c-(iii), d-(i) **उत्तर**: (C) a-(iv), b-(iii), c-(i),d-(ii)	1 1
24	**प्रश्न:** 'कम्यून' का अर्थ लिखिए। **उत्तर:** चीन में महान सर्वहारा सांस्कृतिक क्रांति के अंतर्गत सामूहिक खेती की वह व्यवस्था जिसमें लोगो से संयुक्त रूप से खेती करवाई गई, कम्यून कहलाता है।	1

25	**प्रश्न:** "गूगल ने भारत में 4000 स्नातक विद्यार्थियों को नौकरी पर रखा है ।" दिया गया कथन औपचारिक क्षेत्रक/अनौपचारिक क्षेत्रक रोज़गार से संबंध रखता है । (सही प्रकार के रोज़गार का चयन कीजिए) **उत्तर:** औपचारिक क्षेत्रक	1
26	**प्रश्न:** वस्तु और सेवा कर (GST) के लागू होने के पश्चात् हटाए गए करों में से एक________कर है। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए) **उत्तर:** वैट (वैल्यू एडेड टैक्स) **(कोई अन्य उचित उदाहरण)**	1
27	**प्रश्न:** कालानुक्रमिक क्रम में निम्नलिखित घटनाओं को व्यवस्थित कीजिए तथा सही विकल्प का चयन कीजिए : (i) चीनी जनवादी गणराज्य की स्थापना (ii) पाकिस्तान का निर्माण (iii) भारत की प्रथम पंचवर्षीय योजना (iv) चीन की प्रथम पंचवर्षीय योजना ***विकल्प*:** (A) (i), (iv), (ii), (iii) (B) (iii), (ii), (i), (iv) (C) (ii), (i), (iii), (iv) (D) (iv), (iii), (ii), (i) **उत्तर:** (C) (ii),(i),(iii),(iv)	1
28	**प्रश्न:** "आर्थिक संवृद्धि में तीव्र वृद्धि अवश्य ही पूर्णतः निर्धन वर्ग के व्यक्तियों तक धीरे-धीरे पहुँच जाती है ।" दिए गए कथन का मान्य तर्कों सहित समर्थन अथवा खंडन कीजिए । **उत्तर:** कथन का खंडन किया जाता है क्योंकि - (i) तेजी से बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि बहुत कम हुई। (ii) हरित क्रांति ने क्षेत्रीय विषमताओं को बढ़ाया और बड़े तथा छोटे किसानों के बीच खाई गहरी की। (iii) आर्थिक सुधारों के अधिकांश लाभों को धनी वर्ग द्वारा हथिया लिया गया। **(अन्य किसी मान्य कारण/तर्क/व्याख्या को भी अंकित किया जाये)**	1 1 1
29	**प्रश्न:** "अनौपचारिक क्षेत्र के बजाय औपचारिक क्षेत्र में रोज़गार का सृजन करना आवश्यक है ।" मान्य तर्कों द्वारा दिए गए कथन का समर्थन या खंडन कीजिए । **उत्तर:** दिया गया कथन सत्य है और निम्न तर्कों के आधार पर इसका समर्थन किया जाता है - (i) रोजगार का औपचारिक क्षेत्र, अनौपचारिक क्षेत्र की तुलना में अधिक अच्छी कार्य सुरक्षा प्रदान करता हैं। (ii) औपचारिक क्षेत्र में रोजगार के अंतर्गत लोग अधिक अच्छे सामाजिक सुरक्षा लाभ प्राप्त करने के अधिकारी होते हैं। **(अन्य किसी मान्य कारण/तर्क/व्याख्या को भी अंकित किया जाये)** **अथवा** **प्रश्न:** भारतीय विद्युत् क्षेत्रक की किन्हीं दो चुनौतियों का उल्लेख व चर्चा कीजिए । **उत्तर:** भारतीय विद्युत क्षेत्रक में दो चुनोतियाँ हैं - (i) भारत की विद्युत उत्पादन क्षमता अपर्याप्त है और उसका भी पूर्ण उपयोग नही हो पाता। भारत में शक्ति सयंत्रों की कार्यात्मक क्षमता जिसे प्लांट लोड फैक्टर (PLF) के रूप में दर्शाया जाता है, बहुत कम है। (ii) राज्य विद्युत बोर्ड संचरण और वितरण की हानि, बिजली की दोषपूर्ण कीमतें और अन्य अकुशलताओ से त्रस्त हैं। **(किसी अन्य उचित बिंदु के लिए भी अंक प्रदान किये जायें)**	1 ½ 1 ½ 1 ½ 1 ½
30	**प्रश्न:** "भारत, चीन व पाकिस्तान ने विभिन्न परिणामों के साथ, सात दशकों से अधिक की विकास पथ की यात्रा की है।" मान्य तर्कों के साथ दिए गए कथन को समझाइए । **उत्तर:** **(i)** 1970 के अंत तक तीनों देशों निम्न विकास के लगभग समान स्तर को बनाए हुए थे। (ii) पिछले तीन दशकों में तीनों देशों ने विकास के विभिन्न स्तर प्राप्त किए हैं। ★ भारत ने इन वर्षों में सामान्य प्रदर्शन किया है। यहां अधिकांश लोग अभी भी कृषि पर निर्भर हैं। आधारभूत संरचना की कमी है और एक चौथाई से अधिक जनसंख्या गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रही है। ★ पाकिस्तान ने राजनीतिक अस्थिरता, विप्रेषित धन और विदेशी सहायता पर अत्यधिक निर्भरता और कृषि में अस्थिर प्रदर्शन के कारण निम्न प्रदर्शन किया है। ★ चीन ने अर्थव्यवस्था के विकास की दर को बढ़ाने के साथ-साथ गरीबी के उन्मूलन पर दबाव बनाने के लिए बाजार व्यवस्था का प्रयोग किया। जिसमे वह काफी हद तक सफल रहा। **(पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए)** **(कोई अन्य उचित तर्क को भी अंकित किया जाय)**	**1** **1** **1** **1**

31 **प्रश्न:** भारतीय अर्थव्यवस्था के योजना उद्देश्य के रूप में 'आधुनिकता' के चयन के औचित्य की संक्षेप में चर्चा कीजिए।

उत्तर: आधुनिकता का उद्देश्य नवीन तकनीकी के रास्ते को अपनाकर वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन में वृद्धि करना है। नई तकनीकी द्वारा लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने तथा सामाजिक दृष्टिकोण में परिवर्तन हेतु स्वतंत्रता के पश्चात भारतीय अर्थव्यवस्था के योजना के उद्देश्य के रूप आधुनिकीकरण को चुना गया था।

(पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए) **(कोई अन्य उचित तर्क को भी अंकित किया जाय)** 4

32 **प्रश्न:** "कृषि क्षेत्र आर्थिक सुधार प्रक्रिया से प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुआ है ।" दिए गए कथन का वर्णन कीजिए।

उत्तर: कृषि क्षेत्रक आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया से बुरी तरह प्रभावित हुआ है क्योंकि-

(i) आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया के समय कृषि क्षेत्रक में विशेषकर सिचाई, शक्ति जैसी आधारभूत संरचना में सार्वजनिक निवेश में कमी आयी। 1

(ii) उर्वरकों की सब्सिडी कम करने के कारण उत्पाद की लागत बढ़ गई जिसके कारण छोटे और सीमांत किसानों पर बुरा प्रभाव पड़ा। 1

(iii) उदारीकरण और आयात शुल्कों में कमी के कारण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में वृद्धि। 1

(iv) निर्यात केंद्रित नीति के कारण कृषि में खाद्य फसलो से नगद फसलो की ओर बदलाव हुआ जिसने खाद्य फसलो की कीमतों में वृद्धि की। 1 **(अन्य किसी मान्य कारण/तर्क/व्याख्या को भी अंकित किया जाये)**

अथवा

प्रश्न: भारत को प्रायः विश्व का 'बाह्यप्रापण गंतव्य' कहा जाता है । भारत को दिए गए इस नाम के मुख्य कारणों की चर्चा कीजिए ।

उत्तर: भारत को विश्व का "बाह्य प्रापण गंतव्य" कहने के मुख्य कारण हैं -

(1) कुशल मानव शक्ति की उपलब्धता - भारत में कुशल मानव शक्ति की बहुतायत है जो बहुराष्ट्रीय कंपनियों के विश्वास को बढ़ाता है।

(2) अनुकूल सरकारी नीतियां - भारतीय सरकार बहुराष्ट्रीय कंपनियों को विभिन्न प्रकार के लाभप्रद प्रस्ताव जैसे करो मे छूट, करो की निम्न दर आदि, देती है जिससे बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत की ओर आकर्षित होती है। **(या अन्य कोई उपयुक्त कारण सहित व्याख्या)** 2+2

33 **प्रश्न:(a)** "ग्रामीण भारत के लिए उज्ज्वला योजना प्रमुख परिवर्तक रही है ।" ऐसे किन्हीं तीन पारंपरिक ईंधनों का उल्लेख कीजिए, जिनके प्रयोग को कम करने की दिशा में एल.पी.जी. सिलेंडर वितरण योजना (उज्ज्वला योजना) कार्य कर रही है ।

उत्तर: (a) ऊर्जा के पारंपरिक स्रोत वायु प्रदूषण के कारण बनते हैं इसलिए सरकार ने ग्रामीण भारत के लिए मुफ्त एलपीजी गैस सिलेंडर (स्वच्छ ईंधन) वितरण योजना द्वारा उज्ज्वला योजना की शुरुआत की है जो ग्रामीण गृहस्थों के लिए प्रमुख परिवर्तक रही है।

तीन पारंपरिक ईंधन जिनका प्रयोग उज्जवला योजना के कारण कम हुआ है:

(i) कृषि अवशेष और सूखा गोबर । 1

(ii) जलाने की लकड़ी । 1

(iii) कोयला । **(अन्य कोई उचित उदाहरण)** 1

प्रश्न: (b) "स्वयं को ठीक करने के लिए भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली को सार्वजनिक व्यय की एक शक्तिशाली खुराक की आवश्यकता है ।" मान्य तर्कों द्वारा दिए गए कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए।

उत्तर: (b) इस कथन का समर्थन किया जाता है क्योकि स्वतंत्रता से ही भारत में स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार की गति अतार्किक रूप से धीमी रही है। दूसरे कारणों के साथ साथ स्वास्थ्य प्रणाली अपेक्षाकृत कम सार्वजनिक व्यय की शिकार रही है। कुछ बड़े विकासशील देशों की तुलना में हमारा स्वास्थ्य पर जीडीपी के प्रतिशत के रूप में, ख़र्च बहुत कम रहा है। यह 2014-15 में कुल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 4.7% है। इसलिए वास्तव में "भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली को स्वयं को ठीक करने के लिए सार्वजनिक व्यय की खुराक में वृद्धि करने की आवश्यकता है। **(पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए)** **(अन्य किसी मान्य कारण/तर्क/व्याख्या को भी अंकित किया जाये)** 3

अथवा

प्रश्न: (a) नियमित वेतनभोगी कर्मचारियों में महिलाएँ कम क्यों हैं ?

(b) भारत में कार्यबल के क्षेत्रीय वितरण में हाल की प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए :

रोज़गार पद्धति की प्रवृत्तियाँ (क्षेत्रक), 1993 - 2012 (प्रतिशत में)

क्षेत्रक	1993-94	1999-2000	2011-2012
प्राथमिक	64	60.4	48.9
द्वितीयक	16	15.8	24.3
सेवा	20	23.8	26.8

उत्तर: (a) (i) नियमित वेतन भोगी कर्मचारियों में महिलाओं की संख्या कम होती है क्योंकि इस तरह के कार्य के लिए बौद्धिक कौशल तथा उच्च स्तर की शैक्षिक योग्यता की आवश्यकता होती है 1 ½

	(ii) सामाजिक बंधनों के कारण महिलाओं में गतिशीलता की में कमी होती है। **(b)** दिए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि दिए गए समयकाल के दौरान प्राथमिक क्षेत्र में कार्यबल का अनुपात तेजी से घटा है जबकि द्वितीयक तथा सेवायें दोनो क्षेत्रों में रोजगार की सहभागिता बढ़ी है। 1993 - 94 से 2011 - 12 के बीच द्वितीयक क्षेत्रक में हिस्सेदारी लगभग 9% तथा सेवा क्षेत्र में इसी समय-काल के लिए लगभग 7% बढ़ी है। **(पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए)** **(या अन्य कोई उपयुक्त व्याख्या)**	1 ½ 3
34	**प्रश्न:** (a) "मानव पूँजी निर्माण नवोत्थान, आविष्कार तथा तकनीकी सुधारों को जन्म देता है।" क्या आप दिए गए कथन से सहमत हैं ? मान्य तर्कों सहित अपने उत्तर का समर्थन कीजिए। (b) भारत में ग्रामीण विकास की प्रक्रिया में ग्रामीण बैंकिंग व्यवस्था की भूमिका का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए । **उत्तर:** **(a)** हां इस कथन से सहमत हैं। मानव पूंजी निर्माण केवल मानव संसाधनो की उत्पादकता को ही नही बढ़ाता है बल्कि नवोत्थान तथा नई तकनीकी को अपनाने की योग्यता को भी प्रेरित करता हैं। शिक्षा में निवेश नई तकनीकी को अपनाने की योग्यता,वैज्ञानिक प्रगति के अवसर तथा नवोत्थान में सहायता करता है। क्योंकि शिक्षित कार्यबल सामान्यतया नई तकनीकी तथा नवोत्थान को तेजी से सीखता तथा अपनाता है। **(अन्य किसी मान्य कारण/तर्क/व्याख्या को भी अंकित किया जाये)** **(पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाए)** **(b)** बैंकिंग व्यवस्था के तेजी से विस्तार ने ग्रमीण कृषि तथा गैर कृषि उत्पादन, आय तथा रोजगार पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। इसके बावजूद ग्रामीण बैंकिंग निम्न समस्याओं का सामना कर रहा है- ★देश मे ग्रामीण साख की मात्रा अभी भी इसकी मांग की तुलना में अपर्याप्त है तथा साख के संस्थागत स्रोत्र देश के सभी ग्रामीण किसानों तक पहुँचने में असफल रहे हैं। ★ जरूरतमंदों (छोटे और सीमांत किसान) की साख आवश्यकताओं पर कम ध्यान दिया गया है। कृषि साख में कर्ज न चुका पाने की समस्या लगातार बनी हुई है। **(अन्य किसी मान्य कारण/तर्क/व्याख्या को भी अंकित किया जाये)**	3 1 ½ 1 ½